अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं – जैन धर्म कोविद (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'माघवई' किसका भेद है-

(क) तिर्यंच (ख) नारकी

(ग) मनुष्य (घ) देव ( )

(b) अन्तर्मुहूर्त में 12 योजन लम्बा कौनसा जीव हो जाता है -

(क) असालिया (ख) हाथी

(ग) अजगर (घ) तेदुंआ ( )

(c) प्रमाद का एक भेद है -

(क) आलस्य (ख) कषाय

(ग) योग (घ) उपयोग ( )

(d) लघुभूत विहारी के लिए कौनसा शब्द प्रयुक्त हुआ है -

(क) साधु (ख) साध्वी

(ग) निर्ग्रन्थ (घ) महर्षि ( )

(e) 'सामने लाकर दिया हुआ आहार' कौनसा अनाचीर्ण है -

(क) उद्देसियं (ख) कीयगडं

(ग) अभिहडाणि (घ) सिणाणे ( )

(f) 'अट्ठावए' शब्द का अर्थ है -

(क) पासों से खेल खेलना (ख) सावद्य चिकित्सा करना

(ग) अष्टापद जुआ (घ) मर्दन करना ( )

(g) चुगली करना कहलाता है -

(क) अभ्याख्यान (ख) परपरिवाद

(ग) अदत्तादान (घ) पैशुन्य ( )

(h) 'छठे प्रतिहार्य' का नाम क्या है -

(क) कुसुमवृष्टि (ख) पानवृष्टि

(ग) फल वृष्टि (घ) पुष्पवृष्टि ( )

(i) तीसरे अध्ययन में कुल कितने अनाचीर्ण का वर्णन आता है -

(क) 52 (ख) 51

(ग) 50 (घ) 56 ( )

(j) 'दव्वाभिगह चरए' कौनसे तप का भेद है -

(क) अनशन (ख) ऊनोदरी

(ग) भिक्षाचर्या (घ) रसपरित्याग ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'साधु' श्रावक-श्राविका से सावद्य बात कर सकते हैं। ( )

(b) पूर्व में भोगे हुए पदार्थों का स्मरण साधु को नहीं करना चाहिए। ( )

(c) सूर्य की आतापना शीतकाल में नहीं ली जाती है। ( )

(d) भगवान जहाँ-जहाँ चरण नहीं रखते हैं, वहाँ देवगण कमलों की रचना करते हैं। ( )

(e) भगवान महावीर स्वामी अकेले मोक्ष में गये थे। ( )

(f) 'वल्कलचीरी' जैन साधु के वेश में मोक्ष गये थे। ( )

(g) निगोद से अधिक सिद्धों की जीव हैं। ( )

(h) कर्मों की 120 प्रकृतियों का उदय होता है। ( )

(i) कर्म व्युत्सर्ग के 8 भेद होते हैं। ( )

(j) जीव अकेला आया है और अकेला ही जाने वाला है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं ऐसा ध्यान हूँ, जो किसी भी उपसर्ग के आने पर विचलित नहीं होता हूँ। .....

(b) मेरे लिए सचित्त नमक अग्राह्य है। .....

(c) मैंने सीधी बारहवीं प्रतिमा अंगीकार की थी। .....

(d) मेरा वर्णन दशाश्रुतस्कन्ध की सातवीं दशा में है। .....

(e) मैं जीव के साथ भी दिखता हूँ और जीव के बिना भी। .....

(f) मैं प्रतिदिन 400 माताओं को वंदन करता था। .....

(g) मेरा वर्ण लाल है तथा स्वभाव ढीला है। .....

(h) मैं जम्बूद्वीप के भरत क्षेत्र की मर्यादा करता हूँ। .....

(i) मेरा बंध पानी पिलाने से होता है। .....

(j) मेरे कारण आत्मा पवित्र बनती है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए - **14x2 = (28)**

(a) पुद्गलास्तिकाय के चार भेद लिखिए।

.....

.....

(b) पाँच अनुत्तर विमान के नाम लिखिए।

.....

.....

(c) सन्निही ..... पलोयणा य।। निम्न गाथा को पूर्ण करके लिखिए।

.....

.....

(d) **दशवैकालिक सूत्र में बताये गये लवण (नमक) के 6 भेद लिखिए।**

.....

.....

(e) **प्रतिमाधारी साधु कितने व कौनसे कारणों से बोलते हैं?**

.....

.....

(f) **संवर के 57 भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(g) **तीसरी व चौबीसवीं क्रिया का नाम व अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(h) **प्रायश्चित्त देने वाले का दूसरा गुण अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

(I) **'चामीगरपागारा' का संक्षेप में आशय स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(j) **मूलए ..... आमए । गाथा में वर्णित अनाचारों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(k) **दस त्रिजृम्भक के नाम लिखिए।**

.....

.....

(l) **अरूपी अजीव के 20 भेद लिखिए।**

.....

.....

(m) **नौ तत्वों में हेय, ज्ञेय, उपादेय को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(n) **प्रथम 10 परीषहों के नाम लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **परीसह ..... महेसिणो । गाथा का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **देवकी जानकार श्राविका थी फिर उसने किस आशय से भगवान अरिष्टनेमि को भक्तपान के विषय में प्रश्न पूछा?**

.....

.....

.....

.....

(c) **त्रस दशक की प्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **सुश्रूषा विनय किसका भेद हैं एवं इसके अन्तिम 3 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **प्रायश्चित के 10 भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **इत्थं यथा तव ..... विकाशिनोऽपि । भक्तामर के निम्न श्लोक का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **उद्भूतभीषणजलोदर ..... तुल्यरूपा । रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **7 नारकी के नाम व उनके गोत्र लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **12 भावना के नाम व किसने भाई थी? लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **नवतत्त्व के थोकड़े के माध्यम से जलचर जीवों का वर्णन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **जीव के चौदह भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **द्वारिका नगरी का विनाश किनके कोप के कारण हुआ एवं क्यों? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **निदान का वर्णन किस आगम में आया है? प्रथम दो भेदों को लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **वर्तमान में राजपिण्ड लेना कल्पता है या नहीं? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....